http://www.pssouonline.com

J–3117

B. A. (First Year)
Term End Examination, June-July, 2018

संस्कृत

Paper Second

[नाटक, व्याकरण एवं अनुवाद (स्वप्नवासवदत्तम्)]

Time : Three Hours] [*Maximum Marks : 70*

[*Minimum Pass Marks : 24*

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

खण्ड—अ : प्रश्न क्रमांक **01** से **08** तक अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिये 01 अंक निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1 या 2 शब्दों/1 वाक्य में दीजिये।

खण्ड—ब : प्रश्न क्रमांक **09** से **14** तक अर्द्ध लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए $2\frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **75** शब्दों या आधा पेज में दीजिये।

खण्ड—स : प्रश्न क्रमांक **15** से **18** तक लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 05 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों या एक पेज में दीजिये।

http://www.pssouonline.com

http://www.pssouonline.com

खण्ड—द : प्रश्न क्रमांक 19 से 22 तक अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों या दो पेज में दीजिये।

खण्ड—इ : प्रश्न क्रमांक 23 एवं 24 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के लिए 17 अंक निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 600—750 शब्दों या 04—05 पेज में दीजिये।

खण्ड—अ

1. यौगन्धरायण कौन था ?
2. महासेन की पत्नी का क्या नाम था ?
3. महासेन किस देश के राजा थे ?
4. उदयन के राज ज्योतिषी का नाम लिखिए।
5. लोक कथाश्रित किसी एक नाटक का नाम लिखिए।
6. मध्यम व्यायोग, किसकी कथा पर आधारित है ?
7. 'स्वप्नवासवदत्तम्' किसकी रचना है ?
8. धात्री वसुन्धरा कौन थी ?

खण्ड—ब

9. "अतिस्नेहः पापशङ्की" का भाव लिखिए।
10. भरतवाक्य का लक्षण लिखिए।
11. लावाणक ग्राम का परिचय दीजिए।
12. "स्त्री स्वभावस्तु कातरः" को स्पष्ट कीजिए।
13. महाराज दर्शक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
14. निम्नलिखित का अर्थ लिखिए—

    वाक्यमेतत् प्रियतरं राज्यलाभशतादपि।
    अपराद्धेष्वपि स्नेहो यदस्मासु न विस्मृतः॥

खण्ड—स

15. सप्रसंग अर्थ लिखिए—

    पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतेमेवमासी-
    च्छ्लाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
    कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
    चक्रारपङ्क्तिरिव गच्छति भाग्यपङ्क्तिः॥

16. जनान्तिकं पर एक नाट्यशात्रीय टिप्पणी लिखिए।
17. 'स्वप्नवासवदत्तम्' के अनुसार आश्रम का वर्णन कीजिए।
18. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए—

    गुणानां वा विशालानां सत्काराणां च नित्यशः।
    कर्तारः सुलभा लोके विज्ञातारस्तु दुर्लभाः॥

खण्ड—द

19. पद्मवती का चरित्र-चित्रण लिखिए।
20. 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाटक के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।
21. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए—
    (i) विदूषक
    (ii) प्रवेशक
    (iii) अकरुणा खल्वीश्वराः
22. प्रस्तावना पर विशद नाट्यशास्त्रीय टिप्पणी लिखिए।

खण्ड—इ

23. महाकवि भास की नाट्य शैली पर प्रकाश डालिए।
24. महारानी वासवदत्ता की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

http://www.pssouonline.com